



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 749]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 4, 2017/भाद्र 13, 1939

No. 749]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 4, 2017/BHADRA 13, 1939

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2017

सा.का.नि 1127(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 2 के खंड (क्यू) के साथ पठित भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, पोत परिवहन मंत्रालय (पत्तन स्कंध) की अधिसूचना सा.का.नि. सं.1137(अ), दिनांक 14 दिसंबर, 2016 के अधिक्रमण में, इस प्रकार के अधिक्रमण से पहले की जानेवाली अथवा छूट जानेवाली चीजों के अलावा, केन्द्र सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियमों के प्रयोजन से मुरगांव पत्तन की सीमाएं निम्नानुसार होंगी, अर्थात् :-

क. मुरगांव क्षेत्र

उत्तर में – अक्षांश 15° 27' 30" उ. तथा रेखांश 73° 47' 30" पू. पर तट पर एक बिंदु से अक्षांश 15° 27' 30" उ. के समानांतर पश्चिम दिशा की ओर उसी समानांतर बिंदु के साथ रेखांश 73° 32' 10" पू. तक ।

पश्चिम में – अक्षांश 15° 27' 30" उ. तथा रेखांश 73° 32' 10" पू. में एक स्थान से अक्षांश 15° 20' उ. रेखांश 73° 34' 10" पू. में दक्षिणी पूर्वी दिशा में एक स्थान तक ।

दक्षिण में – अक्षांश 15° 20' उ. तथा रेखांश 73° 34' 10" पू. में एक स्थान से पूर्वी दिशा की ओर अक्षांश 15° 20' उ. से उस बिंदु तक जहां यह समानांतर अक्षांश 15° 20' उ. तथा 73° 53' 40" पू. पर तट पर मिलता हो ।

पूर्व में – जुआरी नदी के सभी जल क्षेत्र आगासाईम के पश्चिम में कुठाली फेरी (फेरी तथा लैंडिंग स्टेजिस) को छोड़कर अक्षांश 15° 24' 48" उ. तथा रेखांश 73° 54' 26" पू. एवं अक्षांश 15° 24' 18" उ. तथा रेखांश 73° 54' 26" पू. बिन्दु को जोड़ने वाली रेखा ।

ख. बेतुल क्षेत्र

उत्तर में – अक्षांश 15° 12' उ. के समानांतर तट पर एक बिंदु से, पश्चिम दिशा की ओर जहां समानांतर टैन फैदम लाइन पर मिलता है।

पश्चिम में – टैन फैदम लाइन।

दक्षिण में – अक्षांश 15° 05' उ. के समानांतर तट पर एक बिंदु से, पश्चिम की ओर जहां समानांतर टैन फैदम लाइन पर मिलता है।

ऊपर उल्लिखित सीमाओं में सभी व्हार्फ तथा जलयानों की आवाजाही में सुगमता के लिए अथवा पत्तन में सुधार, रखरखाव अथवा पत्तन और इसके पहुंच मार्गों के सुशासन के लिए, उच्च जल सूचक के भीतर अथवा उसके बिना जनता की तरफ से बनाए गए निर्माण शामिल हैं, बशर्ते कि वो उसमें स्थिति किसी भी निजी संपत्ति के अधिकारों, उच्च जल सूचक के पचास के भीतर तट अथवा किनारे के किसी भाग का ध्यान रखते हुए बनाए गए हों।

[फा. सं. पीआर-23011/02/2011-पीजी]

रबिन्द्र अग्रवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 2017

G.S.R.1127(E).—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), read with clause (q) of Section 2 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), and in supersession of the Notification of the Government of India, Ministry of Shipping (Port Wing), GSR No. 1137(E), dated the 14th December, 2016 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby declares that, the extent of the limits of the Port of Mormugao, for the purpose of the said Acts, shall be as follows, namely:—

A- MORMUGAO AREA

On the North – From a point on the Coast having latitude 15° 27' 30" N and longitude 73° 47' 30" E in the parallel of latitude 15° 27' 30" N due west along the same parallel point in longitude 73° 32' 10" E.

On the West – From the position in latitude 15° 27' 30" N and longitude 73° 32' 10" E in South East direction to position in latitude 15° 20' N longitude 73° 34' 10" E.

On the South – From the position in latitude 15° 20' N and longitude 73° 34' 10" E due east along the parallel of latitude 15° 20' N to a point where this parallel meets the coast latitude 15° 20' N and 73° 53' 40" E.

On the East – All the waters of the River Zuari, West of Agacaim- Cortalim Ferry (excluding the ferry and landing stages) line joining the point latitude 15° 24' 48" N and longitude 73° 54' 26" E and point latitude 15° 24' 18" N and longitude 73° 54' 26" E.

B- BETUL AREA

On the North – From a point on the coast in the parallel of latitude 15° 12' N, due West to where the parallel meets the ten fathom line.

On the West – The ten fathom line.

On the South – From a point on the coast in the parallel of latitude 15° 5' N due West to where the parallel meets the ten fathom line.

The above mentioned limits shall include all wharves and other works made on behalf of the public for convenience for traffic of vessels, or for the improvement, maintenance or good government of the port and its approaches whether within or without high-water mark and, subject to any rights of private property therein, any portion of the shore or bank within fifty yards of high water mark.

[F. No. PR-23011/02/2011-PG]

RABINDRA AGARWAL, Jt. Secy .